

भारत सरकार  
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय  
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2151  
01 अगस्त, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर  
निःशुल्क त्वचा स्वास्थ्य शिविर

t2151. श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:

श्री मनीष जायसवालः

श्री चव्हाण रविन्द्र वसंतरावः

श्री सुधीर गुप्ता:

क्या स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या भारतीय त्वचा रोग विशेषज्ञ, रतिजरोग विशेषज्ञ और कुष्ठ रोग विशेषज्ञ संघ (आईएडीवीएल) ने संपूर्ण देश में विभिन्न स्थानों पर त्वचा स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित किए हैं; जो निःशुल्क त्वचा स्वास्थ्य शिविरों की सबसे अधिक संख्या है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी स्थानवार ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या सरकार का संपूर्ण देश में त्वचा रोग देख-रेख में सुधार के लिए ऐसे सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों के संधारण बनाए रखने और विस्तारित करने हेतु संपर्क समस्या वाले ग्रामीण और सुदूर क्षेत्रों में ऐसे और अधिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ग) सरकार द्वारा त्वचा रोग देख-रेख, जिसे अक्सर लोग गंभीरता से नहीं लेते, के बारे में साधारण लोगों को जागरूक करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री  
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भारतीय त्वचा विशेषज्ञ, वेनेरोलाइजिस्ट और लेप्रोलाइजिस्ट एसोसिएशन (आईएडीवीएल) द्वारा आयोजित शिविरों का विवरण नहीं रखता है।

(ख) और (ग) : राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम (एनएलईपी) राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के व्यापक छत्रक में एक केंद्र प्रायोजित योजना है। एनएचएम के अंतर्गत कार्यक्रम कार्यकलापों के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के विशिष्ट कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं के आधार पर निधि आवंटित की जाती है और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को अपनी आवश्यकता, प्राथमिकता और अपनी उपयोगिता क्षमता के आधार पर निधि का उपयोग करना आवश्यक है। सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में ब्लॉक और जिला स्तर पर कुष्ठ

रोग से संबंधित मामलों का पता लगाने के लिए निम्नलिखित कार्यकलाप संचालित किए जाते हैं:

- i. **कुष्ट रोग मामले की पहचान अभियान (एलसीडीसी):** उच्च जोखिम वाले और दुर्गम क्षेत्रों में घर-घर जाकर मामलों का पता लगाना।
- ii. **कुष्ट रोग केंद्रित अभियान (एफएलसी) :** एफएलसी का आयोजन ग्रेड 2 विकलांगता (जी2डी) मामलों का सक्रिय रूप से पता लगाने के लिए किया जाता है।
- iii. कम प्रभावित और दूरस्थ ब्लॉकों में आशा आधारित निगरानी।
- iv. **दुर्गम क्षेत्र - विशेष पहुंच योजनाएँ:** दुर्गम इलाकों में समुदाय के नेतृत्व में मामले की खोज।

एनएलईपी के अंतर्गत कुष्ट रोग से जुड़े कलंक और भेदभाव को कम करने के लिए जागरूकता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित कार्यकलाप किए जाते हैं:

- क. **आईईसी/बीसीसी गतिविधियाँ:** स्थानीय भाषाओं में रेडियो, टीवी, समाचार पत्रों, नुक्कड़ नाटकों और सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से नियमित जागरूकता।
- ख. **राज्य स्तरीय जागरूकता अभियान (एसएलएसी):** कुष्ट रोग विरोधी दिवस के दौरान वार्षिक अभियान चलाकर कलंक को मिटाने तथा रोग का शीघ्र पता लगाने को बढ़ावा दिया जाता है।
- ग. **आशाकर्मी एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता:** समुदाय में संदिग्ध कुष्ट रोग त्वचा घावों की पहचान करने और उन्हें रेफर करने के लिए प्रशिक्षित करना।
- घ. **स्वास्थ्य केन्द्र संपर्कों के बीच कुष्ट रोग के मामलों की पहचान तथा कुष्ट रोग से प्रभावित व्यक्तियों के लिए आवश्यक त्वचा संबंधी देखभाल के बारे में शिक्षा प्रदान करते हैं।**

\*\*\*\*\*